पीएम स्ट्रीट वेंडर की आत्मानिर्भार निधि

(सक्सेस स्टोरी)

पीएम स्वनिधि ने जगाई नई आस, योजना के लाभ ने बढाया आत्मविश्वास।

रितेश कुमार, पिता रामचंद्र राम, मेदिनीनगर नगर निगम अंतर्गत वार्ड नंबर 15 के निवासी हैं, जिनकी लॉकडाउन से पहले छोटी, लेकिन एक टिकाऊ दुकान बैंक ऑफ इंडिया, मेदिनीनगर के सामने रेडमा में स्थित थी। उसी दुकान से होनेवाली कमाई से उनके पूरे परिवार का खुशी-खुशी गुजारा हो रहा था। यह दुकान ही रितेश के परिवार की स्थायी आजीविका का स्रोत है। मगर कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन से उनका यह दुकान बंद हो गया। इस दौरान उनकी जमा-पूंजी का एक-एक पैसा परिवार के दैनिक कार्यों में खर्च हो गया। धीरे-धीरे उनकी आर्थिक स्थिति काफी दयनीय होती गई। रितेश के मुताबिक, उस दौरान उनकी माली हालत एक भिखारी जैसी हो गई थी। जब लॉकडाउन हटा तो वे एक तरह से सड़क पर आ गए थे।

पूर्ण लॉकडाउन के बाद जब आंशिक रूप से लॉकडाउन हटा तो उनके पास अपनी दुकान को फिर से चालू करने के लिए कोई पूंजी नहीं थी। उनके सामने अपनी एक छोटी सी दुकान का सिर्फ ढांचा खड़ा था। उन्होंने सचमुच बाजार में अपने आप को स्थापित करने की आशा खो दी थी। उनके मन में तरह-तरह के नकारात्मक विचार आने लगे थे, लेकिन एक दिन मेदिनीनगर नगर निगम के एक अधिकारी ने उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें फुटपाथ दुकानदारों व विक्रेताओं के लिए शुरू की गई पीएम स्वनिधि योजना के बारे में बताया। उन्होंने कर्मचारियों की मदद से ऑनलाइन आवेदन किया, जिसके बाद उन्हें इस योजना के तहत बैंक ऑफ इंडिया, रेडमा शाखा, मेदिनीनगर से 10,000/- रुपये का ऋण मिला। रितेश को उनके ऋण और QR कोड आधारित डिजिटल लेन-देन के समय पर पुनर्भुगतान के लाभ के बारे में भी बताया गया। इस ऋण को प्राप्त करने के बाद फिर से रितेश की रूकी हुई जिंदगी पटरी पर आ गई और उनकी आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में ज्यादा मजबूत हो गई। जो भी उम्मीद उन्होंने कुछ समय पहले खो दी थी, वह फिर से उनके मन में जगने लगी।

उनके मन में आए सारे नकारात्मक सोच ने सकारात्मकता का रूप ले लिया था। इसके लिए रितेश ने मेदिनीनगर नगर निगम के कर्मचारियों का धन्यवाद प्रकट किया है।

_____ x _____